जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

प्रेस समाचार

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mp1@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

3 मई, 2006

यूएसएड ने भारतीय आम उत्पादक किसानों की नए बाजारों में प्रवेश करने में मदद की

पूना -- एक प्रमुख रिटेल श्रृंखला ''फूड बाजार'', महाराष्ट्र के आम उत्पादक तथा महाराष्ट्र स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड (एमएसएएमबी) ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके अंतर्गत फूड बाजार राज्य के आम उत्पादक किसानों से आम सीधे खरीद सकते हैं। पूना में द्वितीय आम महोत्सव के उद्घाटन समारोह में फूड बाजार के अध्यक्ष डा. दामोदर मल ने आमों की आपूर्ति के लिए एक लाख 95 हजार रुपये का भुगतान किसान को जारी किया। यह समझौता फूड इंडस्ट्री डेवलपमेंट के लिए अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) की साझेदारी से किया गया है जो भारत के आम उत्पादक किसानों की उत्पाद गुणवत्ता में सुधार करने तथा बड़े बाजारों में सीधे पहुंच बनाने में मदद करेगा।

यूएसएड के मिशन डायरेक्टर जार्ज डीकुन ने कहा, ''फूड इंडस्ट्री के विकास हेतु साझेदारी ने आम उत्पादकों तथा खरीददारों में बाजार संपर्क को मजबूत बनाया है तथा स्थानीय व विश्व बजारों में उपभोक्ता मानदंडों पर खरा उतरने के लिए उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने से उत्पादकों व खरीददारों दोनों को अधिक लाभ हो सकता है।''

आज का यह समझौता किसानों से आमों की सीधे खरीद द्वारा लेन-देन के खर्च को कम करके बाजार श्रृंखला को व्यवस्थित करेगा। इससे किसानों को अपने उत्पाद पर अच्छा लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा तथा उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले आम उचित दामों में मिल सकेंगे।

भारत विश्व का सबसे बड़ा आम उत्पादक है, लेकिन विश्व के आम व्यापार में इसकी गिनती एक प्रतिशत से भी कम है। फूड इंडस्ट्री विकास के लिए यूएसएड की साझेदारी से मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी तथा भारतीय काउंटरपार्ट के साथ कार्य करती है। इससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में दस्तक देने के लिए भारतीय किसानों को अच्छी कृषि पद्धतियां अपनाने में सहायता करेगी। इस समझौते से खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता स्तर तथा खाद्य प्रसंस्करण में भी सुधार होगा। निजी व सार्वजनिक साझेदारी के मिश्रण को आसान बनाते हुए यह कार्यक्रम अमेरिकी विशेषज्ञता तथा प्रौद्योगिकी तक भारत की पहुंच बनाता है। इससे नए बजारों में प्रवेश मिलेगा तथा आमों की बिक्री बढ़ेगी।

आमों की अंतर्राष्ट्रीय मांग बढ़ रही है तथा भारत के घरेलू बाजार में प्रसंस्कृत माल की मांग बढ़ रही है। भारत के कृषि क्षेत्र की मदद करने के लिए इन रुझानों का पूंजीकरण करना एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे देश की दो-तिहाई कार्यशक्ति का इस्तेमाल होगा और संभाव्यता का विकास होगा।

***